प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 01 अक्टूबर 2016 को चिकित्सा विश्वविद्यालय के ब्लड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा राजभवन में रक्तदाता शिविर का आयोजन किया गया। मॉ0 राज्यपाल श्री राम नाईक जी ने शिविर का उद्घाटन किया और रक्त दान करने के फायदो को भी बताया। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रवि कांत जी, चिकित्सा विश्वविद्यालय के दंत संकाय के अधिष्ठाता प्रो0 ए0पी0 टिक्कू, ब्लड ट्रांसफ्यूजल मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो0 तुलिका चंद्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अंतरर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर के0जी0एम0यू0 के दंत संकाय के नविन भवन के सी0पी0गोविला हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डेंचर के बारे मे लोगो को जागरूक किया गया। इसमें बताया गया कि डेंचर कई सौ वर्षो पूर्व से लगाया जाता है। अब डेंचर बहुत आरामदायक और अच्छे किस्म के बनने लगे है। डेंचर से लोग दंत न होने के बावजूद आसानी से खाना चबा कर खा सकते है, तथा यह बोलने और हसने में भी सहायक होता है। कार्यक्रम में बताया गया कि डेंचर ढिला होने पर इसको आप तालू से जिभ को सटाकर डेंचर सेट करें। डेंचर से होने वाली अल्सर आदि की समस्याओं पर डॉक्टर से सम्पर्क करना चाहिए। डेंचर की देख–भाल करने की जरूरत होती है। इसे गिरने से बचाना चाहिए क्यूंकी यह गिर कर टूट सकता है और इसे मुह से बाहर रखने के समय हमेशा पानी में भिगों कर रखना चाहिए।

इस अवसर पर दंत संकाय अधिष्ठाता डॉ0 ए0पी0 टिक्कू ने कहा कि विभाग में डॉ0 पूरन चंद्र इस दिन को हर साल मनाते है। बुजुर्गो को जो स्थान हमारे देश में प्राप्त होता है वो कहीं और नहीं मिलता है। किंतु अब यहां पर भी घरो में, समाज में धिरे–धिरे वृद्धिजनों के प्रति वो सम्मान और देख भाल कम होता जा रहा जो कि चिंता का विषय है। वृद्धिजनों के चलते हम उनके अनुभवों से लगातार तरक्की की तरफ अग्रसर होते है। हमारा प्रयास की हम वृद्धिजनों के इलाज को उनके घर तक पहुचाएं और उनकी मदद करें।

इस अवसर पर संस्थान के कुलपति प्रो0 रवि कांत ने कहा कि हम वृद्धजनों के सहिस्णुता और आत्मत्व की भावना से रखना चाहीए। उन्ही की वजह से हमारा वजूद है। अगर बचपन में हमारे माता–पिता ने हमारी देख भाल नहीं करी होती तो आज हमारा वजूद नहीं होता। आज डेंचर काफी अच्छे गुणवत्ता के बनते हैं। लेकिन अगर आप को उस उच्च गुणवत्ता के डेंचर को लगाना हैं तो उपभोक्ता को उसका चार्ज भी देना होंगा। हमारा ध्येय है कि बी0डी0एस0 के स्टूडेंट्स को दंत सम्बंधी रोजमर्रा के इलाज में पूर्ण तह प्रशिक्षित होना चाहिए। हमने दंत कि एक क्लिनिक सरोजनी नगर और बंथरा में खोली हैं। जहां रेजीडेंट डॉक्टर जाकर इलज करते है।